आज **09-09-2016**

हिप-हिप-हुर्रे के साथ मनाया डिग्री का जश्न

एनएसआई के दीक्षांत समारोह में 1500 विद्यार्थियों को मिले डिग्री, मेडल

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट के दीक्षांत समारोह में आठ साल बाद बृहस्पतिवार को डिग्री और मेडल पाकर 1500 स्टूडेंट्स के चेहरे खिल गए। सबने हवा में टोपी उछाली और हिप-हिप-हुर्रे का नारा लगाकर जश्न मनाया। ऑडिटोरियम ग्राउंड में ग्रुप फोटोग्राफ कराया। साथ ही गाउन और डिग्री के साथ अपनी सेल्फी ली। बताते चलें कि एनएसआई का दीक्षांत समारोह वर्ष 2007 के बाद कराया गया और 2015 तक पास स्टूडेंटों को डिग्री दी गई।

एनएसआई के दीक्षांत समारोह का उद्घाटन उपभोक्ता मामलों के केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान ने किया। साथ ही संस्थान का सर्वश्रेष्ठ महात्मा गांधी स्मृति स्वर्ण पदक और डॉ. एस मुखर्जी स्मृति स्वर्ण पदक के विजेताओं को सम्मानित किया। मेडल और कैश प्राइज भी दिया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डिग्री लेने वाले स्टूडेंट जिस भी इंडस्ट्री में जाएं, उसे अपनी मां की तरह प्यार दें। देश की 65 फीसदी आबादी युवा है। युवा आगे आएं तो वर्ष 2020 तक भारत विकसित देश बन जाएगा। बेटियों को कम मेडल मिलने पर केंद्रीय मंत्री ने चिंता जताई और कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के नारे को आगे बढ़ाना है।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में आयोजित दीक्षांत समारोह में डिग्री पाने के बाद खुशियां मनाते विद्यार्थी।

इन विद्यार्थियों को मेडल महात्मा गांधी स्मृति स्वर्ण पदक। मुकुल मिश्रा, राजू नौशाद, मारुति नंदन, विनीत कुमार मिश्रा, देवेश, अनुज कुमार, सुदृति डे और मोहित कुमार। डॉ. एस मुखर्जी स्मृति स्वर्ण पदक। हेमेंद्र पटनायक, हरिकिशन शर्मा, जयदीप वर्मा, अंकित गुप्ता, शेखर अग्रवाल, विनीत कुमार, पीयूष और अनुज कुमार।

जमाखोरी के चलते बढ़े थे दाल और प्याज के दाम : पासवान

कानपुर। केंद्रीय खाद्य मंत्री राम विलास पासवान ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि दाल और प्याज समेत अन्य खाद्य पदार्थों की कीमतें जमाखोरी के चलते बढ़ी थीं, लेकिन अब नियंत्रण में हैं। जमाखोरी रोकना प्रदेश सरकारों का काम है। उन्होंने यह भी कहा कश्मीर में अपने ही नौजवान सामने होते हैं, इसलिए सेना के हाथ बंधे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेश में भारत का मान बढ़ाया है। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान

शेष पेज 07 पर

जमाखोरी के चलते...

(एनएसआई) के 48वें दीक्षांत समारोह में पहुंचे केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चीनी उत्पादन के मामले में मुनाफा बढ़ाया गया और कीमतें भी कंट्रोल रखी गईं। वैश्विक चीनी उत्पादन में हमारे देश की भागीदारी 15 फीसदी से अधिक है। चीनी मिलों में 10 हजार पांच सौ मेगावाट बिजली बनाने की क्षमता है। ऑटोमोबाइल ईंधन के लिए पेट्रोल में 10 प्रतिशत एथेनाल का मिश्रण करने के सरकार के फैसले से इस उद्योग को प्रोत्साहन मिला है। मंत्री ने कहा कि गन्ना किसानों का भुगतान समय से हो रहा है। चीनी उद्योग अब स्थापित हो चुका है।

चुनाव नजदीक, नौटंकी तो होगी ही। पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव नजदीक होने के कारण नौटंकी तो होगी ही। राहुल गांधी का खटिया प्रकरण नौटंकी थी। अंबेडकर पर आजम खां के बयान से कोई फर्क नहीं पड़ता।

राष्ट्रीय सहारा 09-09-2016

महंगाई पर लगाम की राह में तमाम मुश्किलें : पासवान

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

केन्द्रीय उपभोक्ता एवं खाद्य व सार्वजनिक वितरण मंत्री राम विलास पासवान ने गुरुवार को यहां महंगाई के लिए कहीं न कहीं जमाखोरी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि उत्पादन कम न होने पर भी महंगाई बढ़ जा रही है। साफ है कि इसके पीछे जमाखोरी है, जिसे कम करने को स्टॉक लिमिट व सरकारी बफर स्टॉक जैसे कुछ कदम उठाये गये हैं। उन्होंने महंगाई पर लगाम लगाने की राह में तमाम मुश्किलें बतायी व कहा कि इसके लिए पूरे देश में कॉमन मार्केट प्लेटफार्म विकसित करना होगा, जिसके लिए संबंधित एक्ट में संशोधन की जरूरत होगी। अभी वर्तमान व्यवस्था में मुख्य अधिकार राज्यों के पास है व केन्द्र बहुत कुछ नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि जीएसटी आने से स्थितियां कुछ सुधरेंगी। उन्होंने कहा कि व्यापारियों को दाल में नमक की तरह मुनाफा करना चाहिए, न कि नमक में दाल की तरह।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के 48 वें दीक्षांत समारोह का दीप जलाकर शुभारम्भ करते केन्द्रीय मंत्री रामविलास पासवान व सांसद देवेन्द्र सिंह भोले।

श्री पासवान राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के दीक्षांत समारोह के मौके पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। प्रदेश में सपा सरकार के मंत्री मो.आजम खान द्वारा डॉ.अंबेडकर के खिलाफ़ की गयी टिप्पणी के सवाल पर उन्होंने कहा कि सूरज पर थूकने से सूरज पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। -शेष पेज 13

कहा कि इसके लिए पूरे देश में कॉमन मार्केट प्लेटफार्म विकसित करना होगा, जिसके लिए संबंधित एक्ट में संशोधन की जरूरत होगी

inext 09-09-2016

कानपुर के चीनी संस्थान में पासवान के कड़वे बोल

एनएसआई आए केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी और आजम खान पर बोला हमला

kanpur@inext.co.in

KANPUR (8 Sept): राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के दीक्षांत समारोह में शिरकत करने आए केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान ने राहुल गांधी के साथ सपा नेता आजम खान पर भी हमला बोला. यूपी विधानसभा चुनावों को लेकर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि अब राहुल गांधी किसी गरीब के घर जाकर खाना खायेंगे, कहीं पर खटिया बिछाकर लेटेंगे तो कहीं पीएम मोदी पर हमला करेंगे. इससे कांग्रेस की हालत में कोई बदलाव होने वाला नहीं है.

आजम खान पर पूछे गए सवाल पर पासवान ने कहा कि बाबा साहेब अम्बेडकर के बारे में कमेंट कर आजम नेता नहीं बन जाएंगे, बाबा साहेब क्या हैं यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है. दालों के दाम पर उन्होंने कहा कि स्टेट गवर्नमेंट अगर थोड़ी सख्ती करती तो फिर दाल की कीमतें गिर गई होतीं. आने वाले समय में जमाखोरों को कुछ हासिल नहीं होगा.

ट्रैक पर आ रही शुगर इंडस्ट्री » PG 6

The Times of India 09-09-2016

Paswan slams Azam for Ambedkar remark

TIMES NEWS NETWORK

Kanpur: Union minister of consumer affairs, food and public distribution Ram Vilas Paswan said on Thursday that Azam Khan or anyone else attacking the father of constitution, Dr BR Ambedkar could not undermine Babasaheb's respect. He said that Ambedkar was like a sun. "If anyone will spit on sun it will not diminish its light," Paswan said while talking to reporters here.

Azam had said during a public rally in Ghaziabad recently that the statue pointing its finger into a direction seems to say that not only does it own the plot of land on which it stands but also the one towards which it points. The minister had not named Ambedkar in his address.

Attacking Congress vice-president Rahul Gandhi, Paswan said' that UP Assembly elections are nearing and therefore, Rahul will sit on cots, eat food at the house of Dalits and hurl abuses at the Centre government. Addressing students during the convocation ceremony at NSI, Paswan said that Jammu and Kashmir and also POK belongs to India. Now, debate should be held on POK.

Union minister Ram Vilas Pawan addressing students on Thursday

Youth in Kashmir have lost their path and they are been misguided. "The condition in Kashmir is serious. Terrorists and Pakistan supporters do not come forward. Instead they are coaxing and sending ," he said. He lauded PM Narendra Modi and said that he is regularly speaking against terrorism. It is because of this that Pakistan has reached a stage of isolation in the world.

Convocation at NSI after eight years

Kanpur: After a gap of eight years, the premier National Sugar Institute (NSI)-Kanpur held 48th convocation of the institute. The meritorious students recievd medals and cash prizes from Union cabinet minister, ministry of consumer affairs, food and public distribution Ram Vilas Paswan, the chief guest on the occasion. BJP MP Devendra Singh Bhole from Akbarpur constituency, was the guest of honour.

A total 1,241 students were given certificates. Mahatama Gandhi Memorial Gold Medal sponspored by government of India was given to Mukul Mishra (2015 batch), Raju Nishad (2014), Maruti Nandan (2013), Vineet Kumar Mishra (2012), Devesh (2011), Anuj Kumar (2010), Sudriti Dey (2009) and Mohit Kumar (2008) for securing first position in final examination in respective years. Eight students from batches 2009 to 2016 were given the Dr S Mukherjee Memorial gold medal for highest marks in organic chemistry. TNN

inext 09-09-2016

PICS: I NEXT

मेरीटोरियस को सम्मानित करते केंद्रीय मंत्री.

दीक्षांत समारोह में मौजूद मेरीटोरियस.

'ट्रैक पर आ रही शुगर इंडस्ट्री'

- एनएसआई के 48वें दीक्षांत में चीफ गेस्ट राम विलास पासवान ने मेरीटोरियस को मिले मेडल
- कहा, दुनिया हमारी अहमियत समझ रही, यूथ पॉवर को सही यूज किया तो 2020 तक इंडिया होगा डेवलप कंट्री

kanpur@inext.co.in

KANPUR (8 Sept): बीमार शुगर इंडस्ट्री की गाड़ी ट्रैक पर धीरे धीरे आ रही है. शुगर इंडस्ट्री अच्छी तरह से चले इसके लिए टेक्नोलॉजी का सपोर्ट जरूरी हो गया है. गन्ना किसानों का करीब 21 हजार करोड़ रुपए बकाया था जिसमें कि 90 परसेंट पेमेंट कर दिया गया है. यूपी के किसानों का अभी करीब 887 करोड़ रुपए बकाया है. पेट्रोल में एथनॉल की मिक्सिंग अब 10 परसेंट करने के डायरेक्शन दिए जा चुके हैं. पहले चीनी 22 से 24 रुपए किलो मिलती थी जो अब 40 से 42 रुपए में मिल रही है. इससे शुगर इंडस्ट्री की हालत सुधरेगी. शुगर इंडस्ट्री की लागत करीब 30 से 32 रुपए प्रति किलो आती है.

यह विचार एनएसआई के 48वें दीक्षांत समारोह के चीफ गेस्ट खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के मुखिया सेंट्रल कैबिनेट मिनिस्टर राम विलास पासवान ने व्यक्त किए. उन्होंने समारोह में करीब 16 मेरीटोरियस को गोल्ड मेडल दिए गए.

दुनिया का अहम संस्थान है

दीक्षांत समारोह का इनॉग्रेशन चीफ गेस्ट राम विलास पासवान ने दीप जलाकर किया. उन्होंने अपनी स्पीच में कहा कि एनएसआई दुनिया का अहम संस्थान है. इसको वर्ल्ड लेवल पर खड़ा करने की दिशा में तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं. अभी तक जो भी घोषणाएं की हैं

डिग्री पाकर खुशी से उछल पड़े स्टूडेंट्स.

उनपर अमल किया जा रहा है. पब्लिक और गवर्नमेंट सेक्टर के काम करने के सिस्टम में अंतर दो दिखेगा. मेरीटोरियस छात्र जिस फील्ड में जाएं वहां बेहतर काम करें. मुकुल मिश्रा व हेमेन्द्र पटनायक को महात्मा गांधी व डॉ. एस मुखर्जी गोल्ड मेडल पहनाया गया.

मंत्री जी बोले, बियर कहां है

मिनिस्टर ने नैनो ब्रीवरी लैब व एनालिटिकल लैब का इनॉग्रेशन किया. ब्रीवरी लैब का इनॉग्रेशन करने के बाद मंत्री ने पूछा बियर कहां है जिस पर ठहाके लगे.

इस लैब की खासियत यह है कि स्टूडेंट बियर बनाना सीखेंगे और एक बार में करीब 100 लीटर बियर बनेगी. मंत्री ने कहा देश में एक जैसा नियम न होने से काफी समस्याएं आती हैं. जीएसटी से कुछ राहत मिलेगी. अरहर की दाल के उत्पादन और खपत में करीब 76 लाख टन का गैप है. 20 लाख टन का बफर स्टाक बना लिया है.

दाल, चीनी का बंपर उत्पादन

देश में इस बार दालों का करीब 200 लाख टन प्रोडक्शन होगा और चीनी का प्रोडक्शन 280 लाख टन. उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया के देश हमारी अहमियत समझने लगे हैं. इयर 2020 तक यूथ शक्ति का सही यूज किया गया तो इंडिया डेवलप कंट्री बन जाएगा. इस दौरान कर्मचारी नेता अखिलेश पांडेय ने मंत्री को अपना डिमांड लेटर दिया. संस्थान के डायरेक्टर प्रो नरेन्द्र मोहन ने गेस्ट का वेलकम किया. इस मौके पर सांसद देवेन्द्र सिंह भोले, आरसी मीणा, आशुतोष बाजपेई, सीमा परोहा, संतोष कुमार मौजूद रहे.

HINDUSTAN TIMES 09-09-2016

Food minister sees bumper pulse output this year, warns hoarders

HOPE FOR AGRICULTURE Paswan says efforts on to improve the living standards of farmers

HT Correspondent/PTI
letters@hindustantimes.com

KANPUR: The country will see a bumper pulse production this year leading to a fall in prices and hoarders will not stand to benefit, food minister Ram Vilas Paswan on Thursday said as he asked them to offload their stocks.

Singling out hoarders and black marketers for the sharp rise in retail prices of pulses, he felt that the states did not take stringent action against them.

"The country will have a bumper production of pulses this year and hoarders will not get anything," Paswan said.

"If hoarders are thinking that they will sell pulses at higher rate, then forget it. They should sell their stocks in the open market as production will be high this year." Noting that pulse prices have fallen to ₹100 per kg from Rs 200, Paswan said hoarding was at work behind the price jump.

"States did not take any strong action against hoarders despite our repeated request. As a result, consumers bought pulses at higher rates," he said.

The Centre is supplying tur to states at ₹66 per kg and urad at ₹83. He called upon states to place demand for pulses from the central buffer stock.

Paswan said that by creating common market the parity in the prices of agricultural products could be ensured.

The minister said that efforts were on to implement the Agriculture Produce Market Committees Act (APMC) in all the state with certain modifications so that the restriction on selling the agriculture product by farmers to other states could be relaxed or eliminated.

He said that there should be common law for all the states with regard to sale of agricultural products by the farmers. The restriction on farmers over selling their produce in their own state often caused scarcity of goods in other states. He said that the government had been making every effort to raise the agriculture income so that the living standards of the farmers could be improved.

BJP MP Devendra Singh Bhole felicitating the Union Minister of Consumer Affairs, Food and Public Distribution Ram Vilas Paswan. HT PHOTO

'By attacking Ambedkar, Azam has lowered his own dignity'

HT Correspondent
htcity.kanpur@hindustantimes.com

KANPUR: Union minister for consumer affairs, food and public distribution Ram Vilas Paswan on Thursday said UP minister Azam Khan's derogatory comment on Dr BR Ambedkar was indicative of his narrow thinking.

Paswan, who was here to address the 48th convention of the National Sugar Institute (NSI), told the media that Dr Ambedkar was internationally acclaimed leader and by commenting against him Azam has lowered his own dignity.In a comment purportedly directed at Dr BR Ambedkar, Khan during a public event in Ghaziabad on September 5 had said: "All of Uttar Pradesh has statues of a gentleman... with his finger pointing high in a direction... saying this land where the statue is standing is mine, the plot in front is also mine..."

RIDICULING RAHUL GANDHI'S YATRA, PASWAN SAID IT WAS A PUBLICITY STUNT AND AIMED AT BEFOOLING THE FARMERS.

Ridiculing the Rahul Gandhi's yatra, Paswan said it was a publicity stunt and aimed at befooling the farmers.

"However, it would not succeed as farmers know what Congress did for them," he said.

He said it was very unfortunate that terrorists were misleading youths in Jammu and Kashmir and were depriving them of their opportunities to contribute for the development of the state and the country.

He said terrorists put the youths and children in the fore front to attack army jawans and create an embarrassing situation for them as they cannot use force against children.

"The biggest challenge before the government is to free the children from the grip of terrorists and to make them realise that they were being forced to play with their precious life for no reason," Paswan said.

"While more than 6,000 civilians have been killed in J&K equal number of jawans has also been martyred while fighting terrorists in the state," said Paswan. He said the foreign policy of the government was a big success as it has exposed Pakistan in the world and isolated it over the issue of terrorism.

Make India a developed nation by 2020, Paswan urges youth

HT Correspondent
htcity.kanpur@hindustantimes.com

KANPUR: Union minister for consumer affairs, food and public distribution Ram Vilas Paswan on Thursday called upon the youths to come forward to make India a developed country by 2020.

Addressing the 48th convocation of the National Sugar Institute (NSI), the minister said that India was the youngest country in the world with a population of 65% youths and if they realize their power it could put the country in the list of the developed countries of the world.

Referring to achievements of students of the NSI, the minister said that they have earned name for the country globally.

Urging them to be more innovative in developing new sugar technologies, Paswan rued the fact this time no girl student was given any medal. "In future, girls should also join the line of excellence," he said.

He asked the director of the NSI to prepare a road map for becoming the number one institute in the world in the field of sugar technology. There would be no problem of funds, he added.

On the occasion, 1242 students of eight disciplines were given diplomas. Since the convocation was held after eight years the students from the academic session 2007-08 to 2015-16 were given the diplomas and the awards.

Mahatma Gandhi Memorial Award sponsored by the government of India was given to Mukul Misra (2015), Raju Nishad (2014), Maruti Nandan(2013), V Misra (2012), Devesh (2011), Anu Kumar (2010), Sudriti Dey (2009) and Mohit Kumar (2008).

अमर उजाला 09-09-2016

आठ साल बाद डिग्री पाकर खिले चेहरे

एनएसआई का दीक्षांत समारोह : हवा में टोपी उछालकर मनाया जश्न, गाउन और डिग्री के साथ ली सेल्फी

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में बृहस्पतिवार को आयोजित 48वें दीक्षांत समारोह में मुकुल मिश्रा को डिग्री देते केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान व सांसद देवेंद्र सिंह भोले और निदेशक नरेंद्र मोहन।

दीक्षांत समारोह में डिग्री पाने के बाद खुशियां मनाते स्टूडेंट।

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) के दीक्षांत समारोह में आठ साल बाद गुरुवार को डिग्री और मेडल पाकर 1500 स्टूडेंटों के चेहरे खिल गए। सबने हवा में टोपी उछाली और हिप-हिप-हुर्रे का नारा लगाकर जश्न मनाया। ऑडिटोरियम ग्राउंड में ग्रुप फोटोग्राफ कराया। साथ ही गाउन और डिग्री के साथ अपनी सेल्फी ली। बताते चलें कि एनएसआई का दीक्षांत समारोह वर्ष 2007 के बाद कराया गया और 2015 तक पास स्टूडेंटों को डिग्री दी गई।

एनएसआई के दीक्षांत समारोह का उद्घाटन उपभोक्ता मामलों के केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान ने किया। साथ ही संस्थान का सर्वश्रेष्ठ महात्मा गांधी स्मृति स्वर्ण पदक और डॉ. एस मुखर्जी स्मृति स्वर्ण पदक के विजेताओं को सम्मानित किया। मेडल और कैश प्राइज भी दिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डिग्री लेने वाले स्टूडेंट जिस भी इंडस्ट्री में जाएं, उसे अपनी मां की तरह प्यार दें। देश की 65 फीसदी आबादी युवा है। युवा आगे आएं तो वर्ष 2020 तक भारत विकसित देश बन जाएगा। बेटियों को कम मेडल मिलने पर केंद्रीय मंत्री ने चिंता जताई और कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के नारे को आगे बढ़ाना है। वह चाहते हैं कि अगर अगले दीक्षांत समारोह में आएं तो बेटियों को भी गोल्ड मेडल दें। इससे पहले आईएएस आरसी मीणा और निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन की अगुवाई में शोभा यात्रा निकाली गई। निदेशक ने इंस्टीट्यूट की प्रगति रिपोर्ट पेश की और बताया कि चीनी की गुणवत्ता बढ़ाने के दिशा में काम चल रहा है।

राजू नौशाद

मारुति नंदन

विनीत कुमार मिश्रा

देवेश

अनुज कुमार

सुदृति डे

मोहित कमार

हेमेंद्र पटनायक

हरिकिशन शर्मा

इन्हें मिला मेडल

महात्मा गांधी स्मृति स्वर्ण पदक

मुकुल मिश्रा, राजू नौशाद, मारुति नंदन, विनीत कुमार मिश्रा, देवेश, अनुज कुमार, सुदृति डे और मोहित कुमार।

डॉ. एस मुखर्जी स्मृति स्वर्ण पदक

हेमेंद्र पटनायक, हरिकिशन शर्मा, जयदीप वर्मा, अंकित गुप्ता, शेखर अग्रवाल, विनीत कुमार, पीयूष और अनुज कुमार।

टॉपर को मिली सालाना 4.50 लाख की जॉब

वर्ष 2015 के टॉपर मुकुल मिश्रा को चीनी मिलों का इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी इसजेक नोएडा में जॉब मिली है। लखीमपुर खीरी का रहने वाले मुकुल ने शुगर टेक्नोलॉजी की पढ़ाई की है। सालाना वेतन पैकेज 4.50 लाख रुपये है।

जॉब की बेहतर संभावना

एनएसआई से पढ़ाई करने वाले स्टूडेंटों को चीनी मिलों में जॉब मिलती है। इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनियां भी सेलेक्शन करती हैं। निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन का कहना है कि शुगर टेक्नोलॉजी के स्टूडेंटों की डिमांड विदेशों में भी है। डिस्टलरी (शराब फैक्ट्री, बीयर, एथेनॉल आदि बनाने वाली) डिमांड करती हैं।

नैनो ग्रीवरी लैब, जहां बीयर बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

एनएसआई को नंबर एक बनाएंगे

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दीक्षांत समारोह ने 1963 या फिर 1964 में उनके भागलपुर विश्वविद्यालय से डिग्री लेने की याद दिला दी। एनएसआई में जनवरी 2016 में आया था, तब पता चला था कि 1980 के बाद कोई केंद्रीय मंत्री एनएसआई नहीं आया। इसे एक नंबर का संस्थान बनाएंगे। गन्ना और चीनी मिलों का भविष्य स्टूडेंट, विज्ञानी तय करते हैं। एनएसआई देश का एक मात्र संस्थान है, जहां रिसर्च, डेवलपमेंट और तकनीक पर काम होता है। स्टूडेंटों की हर समस्या का समाधान कराया जाएगा। शिक्षकों की कमी भी दूर की जाएगी।

लैब का उद्घाटन भी किया

इंस्टीट्यूट में नैनो ग्रीवरी लैब स्थापित की गई है। इसके जरिए स्टूडेंटों को बीयर बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका उद्घाटन भी गुरुवार को केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान ने किया। लैब की स्थापना पर एक करोड़ 40 लाख रुपये खर्च हुए हैं। एनएसआई एनालिटिकल लैब का उद्घाटन भी हुआ। इस पर डेढ़ करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। लैब को महज आठ महीने में बनाया गया, जो कि आधुनिक सुविधा-संसाधनों से लैस हैं।

1936 में हुई थी स्थापना

एनएसआई की स्थापना 1936 में हुई थी। स्थापना के समय कक्षाएं हरकोर्ट बटलर टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (एचबीटीयू) में लगती थीं। 1963 में कैंपस कल्याणपुर शिफ्ट हो गया। तब से पढ़ाई और रिसर्च का काम वहीं चल रहा है। यह देश का एकलौता शुगर इंस्टीट्यूट है, जहां रिसर्च, ट्रेनिंग, डेवलपमेंट और टेक्नोलॉजी पर काम होता है।

रिसर्च के अच्छे स्कोप

गन्ना की उन्नत प्रजाति विकसित करने की जिम्मेदारी एनएसआई के विज्ञानी और स्टूडेंट उठाते हैं। चीनी की गुणवत्ता बढ़ाने की तकनीक भी विकसित करते हैं। इस दिशा में अच्छा काम हुआ है। गन्ना की 25 से ज्यादा प्रजातियां विकसित की जा चुकी हैं। विदेशों में प्रतिबंधित तत्व को भी चीनी से अलग करने का काम चल रहा है। इसमें सफलता मिली तो भारतीय चीनी दुनिया में धमाल मचाएगी।

दैनिक जागरण 09-09-2016

इनको मिली उपाधि

शेखर अग्रवाल।

सुदृति डे।

राजू नौशाद।

अंकित गुप्ता।

देवेश।

पियूष।

विनीत मिश्रा।

विनीत कुमार।

हेमेंद्र पटनायक।

हरिकिशन शर्मा।

1500 छात्रों को उपाधि, 16 को गोल्ड

● 2008 से लेकर 2015 तक के छात्रों को मिली उपाधि ● सोना पाने वालों में एक भी छात्रा शामिल नहीं

एनएसआई के दीक्षा समारोह में विचार व्यक्त करते केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान।

महात्मा गांधी स्वर्ण पदक विजेता	
मोहित कुमार	2008
सुदृति डे	2009
अनुज कुमार	2010
देवेश	2011
विनीत कुमार	2012
मारुति नंदन	2013
राजू नौसाद	2014
मुकुल मिश्रा	2015

डा. एस मुखर्जी स्मृति स्वर्ण पदक	
अनुज कुमार	2009
पियूष	2010
विनीत कुमार	2011
शेखर अग्रवाल	2012
अंकित गुप्ता	2013
जयदीप वर्मा	2014
हरिकिशन शर्मा	2015
हेमेंद्र पटनायक	2016

दीक्षा समारोह

कानपुर, जागरण संवाददाता : राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) में आठ साल बाद आयोजित हुए दीक्षा समारोह के दौरान 1500 छात्रों को उपाधि दी गई। इनमें 16 मेधावियों को महात्मा गांधी व डॉ. एस मुखर्जी स्मृति स्वर्ण पदक दिया गया। 2008 से लेकर 2015 तक के इन मेधावियों को मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान ने स्वर्ण पदक प्रदान किए। वहीं स्वर्ण पदक प्राप्त करने वालों में एक भी छात्रा का नाम शामिल नहीं था। समारोह के दौरान मुख्य अतिथि ने नैनो ब्रेबरी व एनालिटिकल लैब का उद्घाटन भी किया।

स्वर्ण पदकों के अलावा 31 मेधावियों को कैशमनी प्राइज व फ्यूचर हेड अवार्ड भी प्रदान किए गए। समारोह में निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहा कि आठ साल के समय अंतराल में संस्थान ने कई उपलब्धियां प्राप्त की हैं। दिसंबर में अनुसंधान कार्य पर आधारित तीन शोधपत्रों को थाईलैंड में होने वाले इंटरनेशनल सोसाइटी आफ शुगरकेन एंड शुगर टेक्नोलॉजिस्ट्स कांग्रेस में प्रस्तुतिकरण के लिए स्वीकार किया गया है। इसके अलावा छात्रों व देश-विदेश से आने वाले लोगों के लिए सरकार ने परिसर में गेस्ट आफ कम हास्टल बनाने की सहमति प्रदान कर दी है।

यह अवार्ड इंडियन शुगर मिल एसोसिएशन (19 अवार्ड), नेशनल फेडरेशन ऑफ कॉपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज (8 अवार्ड) व श्रीजी इंजीनियरिंग वर्क्स (4 अवार्ड) की ओर से प्रदान किए जाएंगे।

ट्यूशन पढ़ा तय की सफलता की डगर

कानपुर, जागरण संवाददाता : हम जिस क्षेत्र में रहते थे वह बाढ़ग्रस्त था। पिता किसान थे और पूरा घर खेतीबाड़ी के सहारे था। यह कहानी है मुरादाबाद के पाइंदापुर के रहने वाले मोहित कुमार की। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) के दीक्षा समारोह में जब 2008 बैच के इस मेधावी को स्वर्ण पदक मिला तो उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मोहित ने बताया कि हाईस्कूल की पढ़ाई के बाद से लेकर एनएसआई तक का सफर ट्यूशन के सहारे तय किया था। जिससे आज हमे यह सफलता प्राप्त हुई।

गृह जनपद से 12वीं तक की पढ़ाई करने के बाद उन्होंने हिंदू कालेज मुरादाबाद से स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की। पढ़ने के साथ पढ़ाने का सिलसिला जारी रहा। आज मोहित एक निजी शुगर कंपनी में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि अब वे अपने परिवार को सहारा देने लायक बने हैं। अब उनकी ख्वाहिश जनरल मैनेजर बनने की है।

बड़ी मुश्किल से पाई मंजिल :

मेहनत से मारी बाजी...

- हाईस्कूल के बाद जेब खर्च के लिए छह से दसवीं तक के बच्चों को पढ़ाया
- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में पढ़ने का सपना मुश्किल में हुआ पूरा

द क्षा समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले सत्र 2015 में पास आउट मुकुल मिश्रा की कहानी भी संघर्ष से भरी है। खुशी का इजहार करते हुए मुकुल ने बताया कि उनके पिता प्राइवेट शिक्षक हैं। महंगी पढ़ाई करना उनके लिए आसान नहीं था। मूल रूप से लखीमपुर खीरी के रहने वाले मुकुल बताते हैं कि बड़े भाई ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। उन्हें देखकर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली तो पढ़ने के साथ पढ़ाना शुरू कर दिया। आज वे एनएसआई से पासआउट होकर एक निजी कंपनी में इंजीनियर हैं। उनकी ख्वाहिश शोध के क्षेत्र में जाने की है।

यह भी मिले पुरस्कार

- इंडियन शुगर मिल एसोसिएशन (19 अवार्ड), नेशनल फेडरेशन ऑफ कॉपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज (8 अवार्ड) व श्रीजी इंजीनियरिंग वर्क्स (4 अवार्ड) प्रदान किए।

दो छात्रों को मिला फेलोशिप डिप्लोमा: आशीष कुमार शुक्ला व शैलेंद्र कुमार त्रिवेदी को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की फेलोशिप डिप्लोमा प्रदान किया गया।

मुकुल मिश्रा।

अनुज कुमार।

मारुति नंदन।

मोहित कुमार।

अनुज कुमार।

बेटियों को पदक न मिलने से जताई चिंता

दीक्षा समारोह में सभी 16 स्वर्ण पदक छात्रों के होने पर पासवान ने कहा कि शिक्षित महिलाओं के बिना देश का विकास संभव नहीं है। एक महिला शिक्षक होने से पूरा घर शिक्षित हो जाता है।

नौजवानों को भड़काकर सैनिकों को मारे जा रहे पत्थर

कश्मीर में पाकिस्तान हिंसा भड़का रहा है। वहां के नौजवानों को आगे करके सैनिकों को पत्थर मारना सिखाया जा रहा है। बच्चे गुमराह हो रहे हैं। उन्हें इससे बचाना सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है।

दाल के साथ सजेगी थाली : पासवान

कानपुर, जागरण संवाददाता : आसमान छूती दालों की कीमत कम करने के लिए सरकार जमाखोरों पर शिकंजा कस रही है। अब आम आदमी की थाली में दाल को फिर से लाने के लिए गोदामों से उन तक पहुंचाया जाएगा। दाल की मांग पूरी करने के लिए पांच लाख टन दाल विदेशों से आयात करनी पड़ रही है। डिमांड एंड सप्लाई में अभी 73 लाख टन का अंतर है। यह बातें राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के 48वें दीक्षा समारोह के दौरान उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री रामविलास पासवान ने कहीं।

जमाखोरों पर शिकंजा...

- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के 48वें दीक्षा समारोह में पहुंचे केंद्रीय मंत्री
- जमाखोरों पर शिकंजा, विदेशों से आयात करनी पड़ रही 17 लाख टन दाल

दालों की पैदावार व खपत की स्थिति

सन	पैदावार	खपत (करीब)
2013	170 लाख टन	216 लाख टन
2014	171 लाख टन	226 लाख टन
2015	173 लाख टन	246 लाख टन

देश में पहली बार बना बफर स्टॉक

डिमांड एंड सप्लाई के इतने अंतर के बाद भी हमने दाल की महंगाई पर काबू पाया है। अरहर की दाल अब सौ रुपए तक आ गई है। इसके साथ मूंग, उरद, मसूर व मटर दालों की कीमतों में भी कमी आई है। दालों के भंडारण के लिए देश में पहली बार बफर स्टॉक का आकार बढ़ाकर 30 लाख टन कर दिया गया है। इस मौके पर सांसद देवेंद्र सिंह भोले व निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन समेत छात्र छात्राएं व शिक्षक मौजूद थे।

देश में बढ़ेगा चीनी उत्पादन

पासवान ने कहा कि चीनी के 252 लाख टन उत्पादन के साथ भारत विश्व में दूसरे स्थान पर है। इस साल 280 लाख टन उत्पादन का लक्ष्य है। जहां तक गन्ना किसानों का प्रश्न है तो पिछले वर्ष 21 हजार करोड़ तक के एरियर का पूरा भुगतान किया जा चुका है। इस वर्ष भी 90 फीसद भुगतान हो चुका है।

ब्राजील देगा भारत के लिए दाल

पासवान ने कहा कि आने वाले समय में भारत के लिए ब्राजील दाल की खेती करेगा। इस समझौते को लेकर ब्राजील के साथ बात चल रही है।

आजम की टिप्पणी से अंबेडकर के सम्मान में कोई फर्क नहीं

कानपुर, जागरण संवाददाता : केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान ने कहा कि महात्मा गांधी व बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जैसे महापुरुषों का सम्मान देश में ही नहीं विदेशों में भी किया जाता है। प्रदेश के केबिनेट मंत्री आजम खां की टिप्पणी से बाबा साहब के प्रति आस्था रखने वालों पर कोई फर्क नहीं पड़ता है।अंबेडकर की जन्मस्थली महू को केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय महत्व के स्थानों की सूची में शामिल किया है। महापुरुषों के नाम पर राजनीति करना ठीक नहीं है।

दिखावे के लिए बांट रहे खटिया : पासवान ने कहा कि कांग्रेस के उपाध्यक्ष राहुल गांधी का देवरिया जिले में खाट पंचायत करना एक दिखावा था। अब वह दलित के घर खाना खा रहे हैं। ये सब चुनावी स्टंट है।

2020 तक विकसित देश बनेगा भारत : देश में 65 फीसद युवा हैं। देश के विकास कार्यों के लिए इनकी ताकत बहुत जरूरी है। जिस तरह युवा तकनीकी, प्रबंधन, शर्करा समेत अन्य क्षेत्रों में झंडे गाड़ रहे हैं उसे देखते हुए ऐसा लगता है कि 2020 तक भारत विकसित देश बन जाएगा।

राष्ट्रीय सहारा 09-09-2016

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का 48वां दीक्षांत समारोह

शर्करा संस्थान के छात्र चीनी उद्योग के स्तंभ बनेंगे

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के 48 वें दीक्षांत समारोह में छात्र मोहित कुमार को स्वर्णपदक देते केन्द्रीय मंत्री रामविलास पासवान एवं सांसद देवेन्द्र सिंह भोले व निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन। फोटो : एसएनबी

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) में गुरुवार को संपन्न 48 वें दीक्षांत समारोह के मौके पर संस्थान के प्रशिक्षणार्थी केन्द्रीय मंत्री राम विलास पासवान के हाथों डिप्लोमा व सर्टिफिकेट पाकर खूब प्रफुल्लित हुए। केन्द्रीय मंत्री ने भी छात्रों का उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा कि यहां से हासिल ज्ञान के बूते वे देश-दुनिया में संस्थान का नाम प्रतिष्ठापित करेंगे व चीनी उद्योग के स्तंभ बनेंगे। उन्होंने संस्थान के कार्यो-उपलब्धियों की सराहना करते हुए और संसाधन बढ़ाये जाने पर जोर दिया, ताकि इस संस्थान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नं.-1 बनाया जा सके। इसके लिए उन्होंने संस्थान निदेशक डॉ.नरेन्द्र मोहन से विकास का रोड मैप प्रस्ताव बनाने की अपेक्षा की, ताकि योजनाओं को स्वीकृत कराया जा सके।

समारोह में कुल 1242 छात्रों को मिले प्रमाण पत्र

पासवान ने संस्थान के विकास के लिए मांगी रोड मैप

एनएसआई में आठ वर्ष बाद आयोजित इस दीक्षांत समारोह में कुल 1242 छात्रों को डिप्लोमा प्रमाणपत्र व नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। भारत सरकार द्वारा प्रायोजित संस्थान का सर्वोच्च महात्मा गांधी स्मृति स्वर्णपदक 2008 से 2016 तक के सत्रों में शर्करा प्रौद्योगिकी कोर्स में सर्वोच्च अंक लाने वाले आठ छात्रों को दिया गया।

इनमें मुकुल मिश्रा, राजू नौशाद, मारुति नंदन, विनीत कुमार मिश्रा, देवेश, अनुज कुमार, दुदृति डे व मोहित कुमार शामिल हैं। अन्य विभिन्न कोर्सेस के छात्रों को भी प्रमाणपत्र दिये गये। संस्थान में आठ वर्ष बाद आयोजित इस दीक्षांत समारोह को लेकर छात्र व संस्थान के अधिकारी-शिक्षक सभी प्रफुल्लित नजर आये। छात्रों में भी मंत्री के हाथों डिप्लोमा सर्टिफिकेट पाने पर कुछ ज्यादा ही उत्साह दिखा। स्वयं मंत्री श्री पासवान ने अपने संबोधन में गत 7 जनवरी को किये गये संस्थान भ्रमण का जिक्र कर कहा कि उस समय उन्हें यह जानकार आश्चर्य हुआ कि 1980 के बाद से कोई मंत्री यहां नहीं आया है। उन्होंने इस संस्थान को देश का अकेला चीनी उद्योग प्रशिक्षण संस्थान बताते हुए न केवल कानपुर बल्कि देश का गौरव बताया।

उन्होंने कहा कि संस्थान के पास बहुत भूमि है,जिसका इस्तेमाल संस्थान के विकास कार्यो में किया जा सकता है। उन्होंने इस पर खुशी जतायी कि जनवरी में वह यहां जिस लैब का शिलान्यास कर गये थे, वह बन कर तैयार है व उसका उद्घाटन हो रहा है।

दीक्षांत समारोह को बतौर विशिष्ट अतिथि संबोधित करते हुए सांसद देवेन्द्र सिंह 'भोले' ने संस्थान के विकास के लिए श्री पासवान के योगदान की सराहना की। श्री 'भोले' ने कहा कि यहां छात्रों व प्रशिक्षणार्थियों के लिए सुविधायें तो विकसित की गयी है, लेकिन उनके परिजनों व देश-विदेश से यहां आने वाले लोगों के लिए एक गेस्ट हाउस की आवश्यकता भी समझी जा रही है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि मंत्री जी इस दिशा में सहयोग प्रदान करेंगे।एनएसआई निदेशक डॉ.नरेन्द्र मोहन ने संस्थान की उपलब्धियों का जिक्र किया व भावी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने इस पर खुशी जतायी कि संस्थान में विदेशी छात्रों का आगमन फिर शुरू हो गया है व इस समय नेपाल , भूटान व यमन के कई छात्र यहां पढ़ रहे हैं। उन्होंने संस्थान में किये जा रहे अनुसंधान कार्यो का जिक्र करते हुए कहा कि विभिन्न विषयों पर 28 शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं व इनमें से कई विभिन्न संस्थानों द्वारा पुरस्कृत भी किये गये हैं।

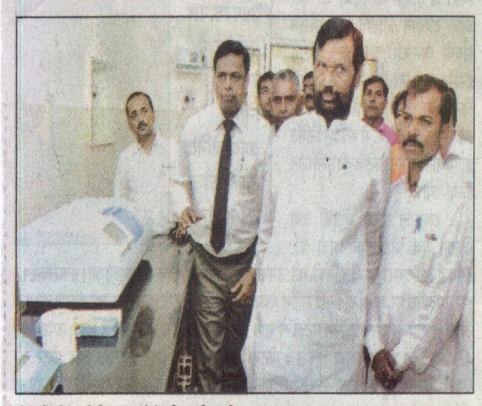

नैनो ब्रीवरी व इथेनॉल लैब का किया उद्घाटन

■ कानपुर।

केन्द्रीय मंत्री ने एनएसआई में नव स्थापित नैनो ब्रीवरी एवं इथेनॉल लैब के साथ ही एनएबीएल लैब का उद्घाटन भी किया। नैनो ब्रीवरी लैब में जहां अल्कोहल उत्पादन विषयक प्रयोग होगा, वही इथेनॉल लैब में विभिन्न चीजों से इथेनाल बनाने पर प्रयोग किया जायेगा। चीनी के नमूनों के जांच के लिए स्थापित नये एनएबीएल लैब का

लोजपा कार्यकर्ताओं से मिले पासवान

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

केन्द्रीय खाद्य मंत्री राम विलास पासवान के. गुरुवार को महानगर आगमन पर गंगा बैराज में पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। खाद्य मंत्री राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि की हैसियत से शिरकत करने आये थे। गंगा बैराज में सुबह से जुटे पार्टी कार्यकर्ताओं ने फूल माला से लाद कर श्री पासवान का स्वागत किया और पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता उनके साथ शर्करा संस्थान तक गये।

दिल्ली आकर संगठन के बारे में वार्ता का दिया न्योता

लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केन्द्रीय खाद्य मंत्री राम विलास पासवान गुरुवार को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में आयोजित दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेने आये थे। गंगा बैराज आने पर लोक जनशक्ति पार्टी के शहर अध्यक्ष अशोक सविता की अगुवाई में जटे दर्जनों कार्यकर्ताओं ने फूल माला पहना कर अपने नेता का स्वागत किया। इस दौरान समयाभाव की बात कह कर श्री पासवान ने यहां पार्टी कार्यकर्ताओं से अधिक विलंब नहीं करने का अनुरोध किया। पत्रकारों से भी बाद में वार्ता करने का आश्वासन दे वे बैराज से शर्करा संस्थान को चल दिये।

उन्होंने कुछ वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे संगठन के विषय में बातचीत के लिए दिल्ली आकर मिलें। यह कहकर श्री पासवान आगे बढ़ गये। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के लोग भी स्वागत करने पहुंचे थे। लोक जन शक्ति पार्टी के अशोक सविता की अगुवाई में चंद्र किशोर पासवान, मुन्ना लाल दिवांकर, सर्वेश यादव, प्रदीप प्रजापति, संगीता, सरिता, अशफाक, अवरार अहमद, अरविन्द पाल आदि प्रमुख थे।

लालइमली कर्मियों ने सौंपा ज्ञापन

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

कानपुर। लाल इमली कर्मचारी संघ के नेताओं ने केन्द्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री राम विलास पासवान के नगरागमन पर केसा मोड़कर माला पहनाकर स्वागत किया। स्वागत के बाद श्रमिक नेताओं ने कानपुर स्थित बीआईसी के अधीन लाल इमली के कर्मचारियों के साथ हो रहे अन्याय एवं दुर्व्यवहार तथा संस्थान में अलग-अलग कानून चलाने सम्बंधी छह सूत्री ज्ञापन सौंपा। श्री पासवान ने कर्मचारियों की समस्याओं का शीघ्र निदान कराने का आश्वासन दिया।

भांगों से सम्बंधित छह सूत्री ज्ञापन भेंट किया

स्वागत कार्यक्रम का नेतृत्व संघ के संयोजक आशीष पाण्डेय ने किया। केन्द्रीय को सौंपे गये ज्ञापन में श्री पाण्डेय ने कहा कि लाल इमली मामले में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का बीआईसी प्रबंधतंत्र पालन नहीं कर रहा है। जस्टिस मोहन कमेटी के आदेश को डीपीई ने मजदूरों के वेतन के लिए बीआईसी को प्रेषित किया, लेकिन बीआईसी प्रबंधतंत्र ने उसको स्वीकार नहीं किया। श्री पाण्डेय ने कहा कि कोर्ट द्वारा 2003 में लाल इमली के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पांचवे वेतन आयोग के अनुसार दिये जाने का आदेश दिया था। वर्ष 2005 को बीआईसी बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की मीटिंग में यह तय किया गया था कि एक साल के बाद कर्मचारियों और श्रमिकों के वेतनमान परिवर्तित कर दिये जायेंगे। मीटिंग में वेतनमान परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया, लेकिन दो दशक के बाद भी आज तक श्रमिकों को पांचवें वेतनमान के आधार पर वेतन नहीं मिल सका है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने कोर्ट के आदेश के पालन के क्रम में बीआईसी को 55 करोड़ रुपया दिया, जिसमें प्रबंधतंत्र ने करीब बीस करोड़ रुपया अधिकारियों को बतौर एरियर एवं पांचवें वेतनमान के तहत बांट दिया। श्री पाण्डेय ने कहा कि लाल इमली के मजदूरों एवं कर्मचारियों की आर्थिक कारणों से पारिवारिक समस्याएं दर्दनाक होती जा रही है। कई कर्मचारी व श्रमिक अवसाद के भी शिकार हो रहे हैं। ज्ञापन लेने के बाद केन्द्रीय मंत्री ने कर्मचारियों की समस्याओं का शीघ्र निदान कराने का आश्वासन दिया। ज्ञापन सौंपने वालों में संघ के अध्यक्ष कमलेश शर्मा, महामंत्री इसरार अहमद, संयुक्त मंत्री रामकेस वर्मा आदि शामिल रहे।

हिन्दुस्तान 09-09-2016

मेडल व प्रमाण पत्र पाकर एनएसआई के छात्रों ने कुछ इस तरह किया खुशी का इजहार। • हिन्दुस्तान

इनको मिला स्वर्ण पदक

दीक्षांत समारोह में महात्मा गांधी स्मृति स्वर्ण पदक आठ छात्रों को दिया गया। इसमे मुकुल मिश्रा, राजू नौशाद, मारुति नंदन, विनीत कुमार मिश्र, देवेश, अनुज कुमार, सुदति डे और मोहित कुमार को दिया गया। वहीं डॉ. एस मुखर्जी स्मृति स्वर्ण पदक हेमेंद्र पटनायक, हरिकिशन शर्मा, जयदीप वर्मा, अंकित गुप्ता, शेखर अग्रवाल, विनीत कुमार, पीयूष और अनुज कुमार को दिया गया।

08 वर्ष बाद हुए दीक्षांत समारोह में 1241 छात्रों को दिए प्रमाण-पत्र

16 छात्रों को स्वर्ण व 50 को अन्य पुरस्कार दिए गए

युवाओं के सहारे देश कर रहा प्रगति

राम विलास ने कहा कि देश में 65 फीसदी युवा हैं। युवा अगर संकल्प लें लो तो प्रगति से कोई नहीं रोक सकता है। भारत 2020 में विकसित देशों में आ जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी लगातार प्रयास कर रहे हैं। भारत की विदेश नीति सबसे सफल है इसीलिए अमेरिका के राष्ट्रपति से एक समान स्तर पर,बात होती है।

बीयर व बीयर रेस्पी बनाने की शुरूआत हुई

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में बनी नैनो ब्रीवरी और एनालिटिकल प्रयोगशाला का उद्घाटन भी कैबिनेट मंत्री रामविलास ने रिबन काटकर किया। अब नैनो ब्रेवरी प्रयोगशाला में छात्र बीयर और बीयर रेस्पी बनाना सीखेंगे। वहीं एनालिटिकल प्रयोगशाला से अंतर्राष्ट्रीय स्तर प्रमाणित रिपोर्ट भी दी जाएगी। इसकी मान्यता देश के साथ ही विदेशों में भी होगी। इससे छात्रों के कई रास्ते खुलेंगे। जल्द ही एथेनॉल यूनिट भी बनेगी। यह देश में दोनों यूनिट वाला पहला संस्थान होगा।

केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री रामविलास पासवान ने शर्करा संस्थान को सराहा

एनएसआई बनेगा विश्वस्तरीय

दीक्षांत समारोह

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

विश्व में दूसरे नंबर की सर्वाधिक चीनी भारत में पैदा होती है। इसलिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का देश के लिए विशेष योगदान है। इसके बावजूद संस्थान की ओर किसी ने ध्यान नहीं दिया। संस्थान को विश्व में नंबर एक का इंस्टीट्यूट बनाएंगे, जल्द ही इसका अलग डिजाइन तैयार होगा। वादे पूरे होने शुरू हो चुके हैं, जल्द ये पूरे भी होंगे। यह बातें राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के 48वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री रामविलास पासवान ने कहीं।

दीक्षांत समारोह का शुभारंभ परंपरागत शैक्षणिक शोभायात्रा और सरस्वती वंदना के साथ हुई। मुख्य अतिथि पासवान ने कहा कि सफल छात्र जिस इंडस्ट्री में जाएं उसे मां के रूप में प्यार करे, नर्स की तरह नहीं। इसके यूटलाइजेशन की जरूरत है। विशिष्ट अतिथि सांसद देवेंद्र सिंह भोले ने कहा कि संस्थान से मिले तकनीकी ज्ञान को फैलाकर युवा खुद के साथ ही देश को भी मजबूत कर सकते हैं। चीनी के क्षेत्र में भारत को नंबर वन करने को संस्थान का योगदान बढ़ाना होगा। निदेशक प्रो.नरेंद्र मोहन ने कहा कि संस्थान का कद लगातार बढ़ रहा है। भूटान, नेपाल और यमन के छात्र पढ़ने के लिए आ रहे हैं। देश और विदेश के विभिन्न प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में संस्थान के 28 शोध-पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। मुख्य अतिथि की ओर से आठ वर्ष बाद हो रहे दीक्षांत समारोह में 16 छात्राओं को स्वर्ण पदक दिए। 1241 छात्रों को प्रमाण-पत्र व डिप्लोमा के साथ ही 50 अन्य पुरस्कार दिए गए। संचालन डा. पीके जैन ने किया।

गुरुवार को एनएसआई के दीक्षांत में अतिथियों ने छात्रों को दिए प्रमाण पत्र और मेडल।

दाल में नमक की तरह काम करे उद्योग

कैबिनेट मंत्री ने उद्यमियों से अपील की है कि वह दाल में नमक की तरह काम करें। अगर नमक में दाल का काम किया तो खैर नहीं है। उद्योगों को बढ़ाने को प्रयास किए गए हैं। देश की चीनी मिलों पर 2282 करोड़ रुपए की बकाएदारी थी। इसमें 987 करोड़ रुपए की यूपी की थी। इसे खत्म किया जा रहा है। किसानों को फायदा पहुंचाया जा रहा है।

महिलाएं आगे नहीं तो देश आगे नहीं

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में पढ़ने वालों में लड़कियों की संख्या न के बराबर हैं। इसीलिए जब स्वर्ण पदक लेने वालों के क्रम में सिर्फ लड़के ही मंच पर आए तो कैबिनेट मंत्री बोलने से रह नहीं पाए। उन्होंने कहा कि महिलाएं आगे नहीं तो देश आगे नहीं हो सकता है। अभी भी बेटा पैदा होने पर खुशी और बेटी में चिंता होती है। जबकि साथ बेटियां देती है।

नई तकनीक से बिजली की खपत कम करेंगे

लखीमपुर में शिक्षक राकेश कुमार मिश्रा के बेटे मुकुल मिश्रा ने महात्मा गांधी स्मृति स्वर्ण पदक जीता है। शुगर टेक्नोलॉजी से डिप्लोमा करने के दौरान तीनों वर्षों में 79 फीसदी अंक हासिल करने वाले मुकुल मिश्रा नोएडा की एक कंपनी में बतौर इंजीनियर काम कर रहे है। मुकुल ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य पुराने प्लांट में नई तकनीकी को लेकर बिजली की खपत को कम करना है। फिलहाल सुशगर फैक्ट्री के उपकरणों को डिजाइन किया जा रहा है।

किसान के बेटे ने किया कमाल

वेस्ट बंगाल के नामाखाना गांव निवासी किसान रामहौरी पटनायक के बेटे हेमेन्द्र पटनायक ने डॉ.एस मुखर्जी स्मृति स्वर्ण पदक हासिल कर नई इबारत लिखी है। पांच भाई-बहनों में सबसे छोटे हेमेंद्र पर परिवार की जिम्मेदारी है। शुगर टेक्नोलॉजी द्वितीय वर्ष के छात्र हेमेंद्र ने आर्गेनिक केमिस्ट्री में 40 अंक हासिल करके टॉप किया। हेमेंद्र की माने तो परिवार की स्थिति को देखते हुए पहले वह नौकरी करेगा।